सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 49 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 24 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मनुष्य अपने सबसे अच्छे रूप में सभी जीवों में सबसे उदार होता है, लेकिन यदि कानून और न्याय न हों तो वह सबसे खराब बन जाता है।

-अरस्तु

विपक्ष की ताकत से डर गई... 2 | अभी शुरुआत...आगे और सियासी... 3 | जनता राहुल के साथ, कोई नहीं... 7

राहुल गांधी को झटका लोकसभा सदस्यता रद्द

» सदन की कार्रवाई फिर ठप
» विपक्ष व सत्ता पक्ष में ठनी
» कांग्रेस निकालेगी मार्च

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस को बहुत बड़ा झटका लगा है। कल के मानहानि मामले में सूरत कोर्ट का फैसला आने के 24 घंटे के भीतर ही लोकसभा कार्यालय का नोटिफिकेशन आ गया और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सदस्यता खत्म कर दी गई है। इससे पहले संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही के दौरान शुक्रवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। पहलं राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर ढाई बजे तक के लिए स्थगित की गई भाजपा नेता राहुल गांधी से लंदन में दिए बयान को लेकर माफी की मांग कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस गौतम अदाणी के मुद्दे पर जेपीसी जांच की मांग कर रही है।

उधर कांग्रेस ने बड़े आंदोलन करने की बात कह है। इससे पहले कांग्रेस ने विजय चौक तक मार्च निकालने की कोशिश की पर पुलिस ने रोक दिया। वहीं कांग्रेस ने इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए विपक्षी दलों को साथ लाने और जनता के बीच जाने का फैसला किया है।

मुद्दे से भटका रही भाजपा : खरगे

सूरत कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा की तरफ से राहुल पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि लोगों को मुद्दे से भटकाने के लिए वे (भाजपा) ऐसी बातें कर रहे हैं। कौन इस देश के पैसे लेकर भाग गए? एसबीआई और एलआईसी के पैसे लेकर कौन अमीर बनें? इसका जवाब दीजिए।

राष्ट्रपति से मिलेंगे कांग्रेस नेता

राहुल गांधी की सजा के खिलाफ कांग्रेस ने सड़कों पर उतरने और अन्य दलों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का भी फैसला किया हराहुल गांधी की सजा के खिलाफ कांग्रेस ने सड़कों पर उतरने और अन्य दलों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का भी फैसला किया है। मुख्य विपक्षी दल ने अदालत के फैसले के तुरंत बाद एक जन आंदोलन की घोषणा की और कहा कि वह न केवल कानूनी रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी इस मामले को लड़ेगी। मुख्य विपक्षी दल ने अदालत के फैसले के तुरंत बाद एक जन आंदोलन की घोषणा की और कहा कि वह न केवल कानूनी रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी इस मामले को लड़ेगी।

कार्यवाही में शामिल हुए राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा की कार्यवाही में शामिल हुए। हालांकि, कार्यवाही शुरू होते ही स्थगित हो गई। ज्ञात हो कि राहुल को मानहानि केस में सूरत की कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई है। संसद की कार्यवाही से पहले कांग्रेस के सांसदों की एक बैठक हुई है। संसद में कांग्रेस संसदीय कार्यालय में हुई इस बैठक में राहुल गांधी भी शामिल हुए। राहुल के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी भी मौजूद रहीं। उधर मेहुल चौकसी पर जारी इंटरपोल के रेड कार्नर नोटिस पर हो चर्चा करवाने के लिए आप सांसद राघव चड्ढा ने दिया राज्यसभा में नोटिस दिया। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अदाणी समूह के मुद्दे की जांच को लेकर चर्चा की मांग की। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चीन के साथ सीमा स्थिति पर चर्चा करने के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया।

सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंचीं 14 पार्टियां

» सीबीआई, ईडी के दुरुपयोग की याचिका पर सुनवाई 5 अप्रैल को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीआई, ईडी के दुरुपयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आगामी पांच अप्रैल को सुनवाई करेगा। बता दें कि 14 राजनीतिक पार्टियों ने इसे लेकर याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी की प्रवष्टियों को नोटिस करते हुए याचिका पर सुनवाई के लिए पांच अप्रैल की तारीख तय की है। बता दें कि याचिका दाखिल करने वाली राजनीतिक पार्टियों में डीएमके, भारत राष्ट्र समिति, तृणमूल कांग्रेस भी शामिल हैं।

याचिका में राजनीतिक पार्टियों ने की ये मांग

याचिका में मांग की गई है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे सीबीआई और ईडी द्वारा गिरफ्तारी के लिए गाइडलाइंस जारी करने की मांग की है। सिंघवी ने कहा कि 95 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं। हम चाहते हैं कि गिरफ्तारी से पहले और गिरफ्तारी के बाद के लिए गाइडलाइंस जारी की जाएं। पीठ में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला भी शामिल थे।

अहंकार बड़ा और समझ बहुत छोटी : जेपी नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि उनका अहंकार बहुत बड़ा और समझ बहुत छोटी है। राजनीतिक लाभ के लिए उन्होंने ओबीसी समाज का अपमान किया। उन्हें चोर कहा। समाज और कोर्ट के द्वारा बार-बार समझाने और माफ़ी मांगने के विकल्प को भी उन्होंने नजरअंदाज किया और लगातार आबीसी समाज की भावना को ठेस पहुंचाई।

विपक्ष की ताकत से डर गई भाजपा : अखिलेश

राहुल के समर्थन में आए सपा प्रमुख

» देश, जनता व संविधान सबके मानहानि के लिए बीजेपी पर हो मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी के बहाने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पर विपक्ष की ताकत से डर गई है। सपा अध्यक्ष लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का नेतृत्व भले अस्वीकार कर रहे हों, लेकिन राहुल गांधी को हुई सजा के मामले में उनके साथ हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन करने से साफ इनकार कर चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को सपा ही मात दे सकती है। ऐसे में दूसरे दलों को सोचना है कि उन्हें क्या करना है? वह गैर कांग्रेसी नेताओं के साथ लगातार गलबहियां करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि देश की मानहानि, जनता की मानहानि, सौहार्द की मानहानि, संविधान की मानहानि, अर्थव्यवस्था की मानहानि सहित भाजपा पर न जाने कितने मानहानि के मुकदमे होने चाहिए। विपक्ष को नगण्य मुकदमों में फंसाकर अपना राजनीतिक भविष्य तलाशने वाली भाजपा विपक्ष की ताकत से डर गई है। उन्होंने अपने ट्वीट को राहुल गांधी को टैग भी किया है। उनके इस ट्वीट को भविष्य की सियासत में विपक्षी एकजुटता के संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है।

मेरे खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं अखिलेश : केशव

लखनऊ। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि सपा और अन्य नेता जो भाजपा में मेरी तरक्की नहीं देख सकते हैं वो मेरे खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। वो मेरे खिलाफ खराब भाषा का इस्तेमाल करते हैं जबकि मैं हमेशा ही उनका सम्मान करता हूं। केशव ने कहा कि मैंने कभी भी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किसी नेता के खिलाफ नहीं किया है। ज्ञात हो सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बारे में कहा था कि वो एक छोटा विभाग भी नहीं संभाल पा रहे है।

'राज्य पक्षी सारस वैसा ही प्रिय जैसे सीएम को गोलू'

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सारस के गायब होने से लेकर मिलने तक ट्वीट कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश वन विभाग द्वारा अमेठी से जबरदस्ती ले जाकर रायबरेली के समसपुर पक्षी विहार में छोड़ा गया। अब यह गायब है। राज्य पक्षी के प्रति ऐसी लापरवाही गंभीर विषय है। भाजपा तत्काल सारस खोजे नहीं तो पूरी दुनिया के पक्षी प्रेमी आंदोलन करेंगे। उन्होंने अगले ट्वीट में लिखा कि मुख्यमंत्री चाहें तो लापता सारस का कोई नामकरण कर दें। लेकिन उसे ढूढकर उसकी जान जरूर बचाएं। वो सारस भी पूरे उत्तर प्रदेश को वैसे ही प्रिय है, जैसे मुख्यमंत्री को गोलू। दोपहर बाद सारस के मिलने की सूचना आने पर उन्होंने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश के पक्षी प्रेमी बी सैया नामक गांव को धन्यवाद, जिसने सारस को बचाया, खिलाया पिलाया और वो काम दिखाया, जिसमें प्रदेश की सरकार नाकाम रही। सच तो यह है कि प्रेम से बड़ी सत्ता और कोई नहीं हो सकती है। भाजपा अगर समय रहते ये समझ ले तो शायद उसके अंदर की नफरत कुछ कम हो जाए।

बीजेपी का बनिया से मन भरा, तो महतो को बनाया अध्यक्ष : राबड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जाति नहीं जाती- यही सच है। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश के अध्यक्ष बनाए गए सम्राट चौधरी की जाति और आगामी चुनाव में वोटों पर इसके प्रभाव पर कुछ ही घंटे में इतनी बहस छिड़ गई कि विधानमंडल परिसर के अंदर और सोशल मीडिया पर प्रभाव दिखने लगा। इसका असर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर भी दिखा।

भाजपा के नए अध्यक्ष को बधाई देने से पहले उन्होंने इस बारे में एक लाइन की प्रतिक्रिया दी- बनिया लोग से मन भर गया है तो अब महतो लोग से मन भरना है। बता दें भाजपा ने आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। विधान परिषद सदस्य सम्राट चौधरी को बिहार का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बिहार के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए सम्राट चौधरी इस समय विधान परिषद के सदस्य हैं। वे सदन में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। 2015 में भाजपा में आने से पहले लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल, नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड और जीतनराम मांझी की पार्टी हम में भी रह चुके हैं। वे कुशवाहा समाज से आते हैं, यानी उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने से नीतीश कुमार के कोइरी-कुशवाहा जाति के वोट बैंक में सेंध लग सकती है।

शिवराज सरकार में 17 हजार बेरोजगारों ने दी जान : भूरिया

» 38 लाख रजिस्टर्ड युवाओं में 21 को मिली नौकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा कि शिवराज सरकार के 17 सालों में 10 हजार 298 छात्र और 6999 बेरोजगारों ने आत्महत्या की। उन्होंने कहा कि छात्रों में बेरोजगारी की निराशा इस हद तक व्याप्त हो गई कि उसने अपने उज्जवल भविष्य का अवसर न देखकर आत्महत्या को गले लगा लिया।

उन्होंने यह आकड़े का आधार नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आधार पर जारी किए गए। विक्रांत भूरिया ने कहा कि 13 से अधिक सरकारी भर्ती और प्रवेश परीक्षा परीक्षाओं में 75 लाख से अधिक प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। पुलिस कांस्टेबल, खाद्य निरीक्षण चयन टेस्ट, सूबेदार उपनिरीक्षक व प्लाटून कमांडर, मिल्क फेडरेशन जैसी अनेक भर्ती परीक्षा में घोटाला किया गया। इतना ही नहीं मेडिकल कॉलेज और डेंटल कॉलेज का भर्ती घोटाला व्यापं से भी बड़ा है। शिवराज सरकार दोषियों को पकड़ने की बजाए संस्थाओं के नाम बदल रही है। भूरिया ने कहा कि अब बोर्ड परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। यहां पेपर लीक करने वालों को रोजगार मिल रहा है। भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी एक गोगो मामा है, जब भी आता है तब कुछ न कुछ गोलियां देकर जाता है। प्रदेश में सरकार की बेरोजगार करने वाली नीति चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 38 लाख लाग रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है। इनमें से 21 लोगों को ही नौकरी मिली।

शिक्षक घोटाले में विपक्षी नेता भी शामिल : पार्थ

» सुवेंदु, दिलीप व सुजन ने बताया झूठ है सब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में फंसे पूर्व शिक्षामंत्री पार्थ चटर्जी ने विपक्षी पार्टी के नेताओं को भी घेर लिया है। चटर्जी ने कहा कि घोटाले में सुजन चक्रवर्ती, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष और विपक्ष के नेता सुवेंजु अधिकारी भी शामिल हैं। पार्थ चटर्जी ने दावा किया कि सुवेंदु अधिकारी ने 2009-10 में उम्मीदवारों की भर्ती में उनसे संपर्क किया था।

हालांकि तीनों नेताओं ने पार्थ चटर्जी के किए गए दावों को खारिज कर दिया। तीनों नेताओं ने पार्थ चटर्जी के आरोपों को खारिज कर दिया। इसे निराधार बताया है। पार्थ चटर्जी ने कहा, जो लोग खुद दागी हैं। वे मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे है। पूर्व शिक्षामंत्री ने कहा कि जाकर देखिए वर्ष 2011-12 में सुवेंदु अधिकारी ने क्या किया है। तब सुवेंदु अधिकारी टीएमसी के साथ थे। सूत्रों ने बताया कि अलीपुर कोर्ट में जमानत की सुनवाई के लिए जाते समय पार्थ चटर्जी ने यह बयान दिया। बात करते हुए चटर्जी ने कहा, मैं साफ तौर पर कह रहा हूं कि सुजन चक्रवर्ती, दिलीप बाबू, सुवेंदु आज बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। उन्हें अपने आप को देखने दें... 2009-10 की कैग रिपोर्ट देखें। वे मेरे पास आए थे। मैंने उनसे कहा कि मैं यह नहीं कर सकता। मैं इस मामले में मदद करने वाला रिक्रूटर नहीं हूं। मैंने उनसे कहा कि मैं कोई भी अवैध या अनैतिक काम नहीं कर पाऊंगा।

टीएमसी ने उठाई जांच की मांग

चटर्जी के दावे करने से कुछ मिनट पहले, टीएमसी प्रवक्ता ने ट्विटर पर इसी तरह के दावे किए कि क्या दिलीप घोष, सुजन चक्रवर्ती, सुवेंदु अधिकारी, शमिक भट्टाचार्य ने शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी से नौकरी की सिफारिश के लिए अनुरोध किया था? उनके खिलाफ भी एक जांच होने दीजिए। जब पूर्व शिक्षा मंत्री नाम ले रहे हैं, तो जांच एजेंसी को इस पर गौर करना चाहिए। पार्थ चटर्जी ने जिनका भी नाम लिया है, केंद्रीय एजेंसी को उन्हें पार्थ के साथ आमने-सामने बिठाकर उनसे पूछताछ करनी चाहिए।

राहुल राजनीतिक आदतन अपराधी : वीडी शर्मा

» कहा-कोर्ट ने लगा दी मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजपुर। मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने राहुल गांधी तंज कसते हुए कहा कि आज कोर्ट ने मुहर लगा दी कि राहुल गांधी राजनीतिक आदतन अपराधी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा कहा कि राहुल गांधी ने भारत के प्रधानमंत्री से लेकर कई लोगों के बारे में इस तरह की शब्दावली का उपयोग किया है, जिसे न्यायालय ने उचित नहीं माना।

दुनिया के देशों में भारत का अपमान कैसे हो सकता है? भारत का अपमान कैसे किया जा सकता है? यह लगातार राहुल गांधी कर रहे हैं। वीडी शर्मा ने कहा कि कोर्ट ने इस बात पर मोहर लगा दी है कि राहुल गांधी इस देश में गैर जिम्मेदाराना व्यक्ति हैं। इस देश में राजनीतिक आदतन अपराधी है। पूरा गांधी परिवार आज जमानत पर है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा पार्टी देश को विदेश में बदनाम करने के लिए माफी मांगने की मांग करती रहेगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

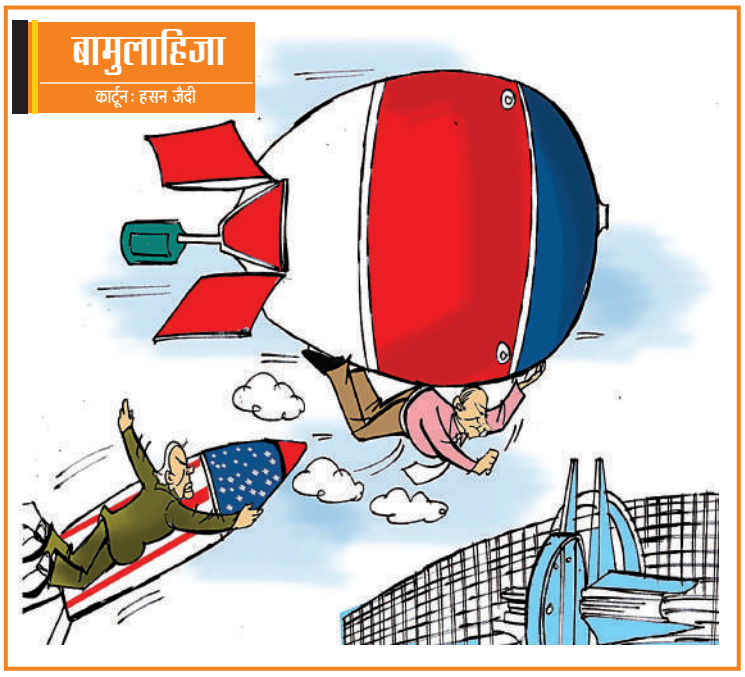

अभी शुरुआत... आगे और सियासी घात!

राहुल की सजा के बहाने 24 पर नजर, मोदी सरकार पर उल्टा न पड़े दांव, विपक्ष हो गया एकजुट तो भाजपा होगी चित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे 2024 लोकसभा चुनाव की आहट सुनाई दे रही देश के सियासी माहौल में राजनीति भी तेजी से गरमा रही है। राजनैतिक दलों ने चुनावी रणनीति बनाने के लिए अपने सभी तीर तरकश से निकालने शुरू कर दिए हैं। सत्ता पक्ष व विपक्ष की लड़ाई जुबानी जंग से आगे निकलते हुए संसद के हंगामें को पार करके अदालतों की दहलीज पर पहुंच चुकी है या अब कह सकते हैं उससे भी आगे निकलने लगी है। अब तो जनता की अदालत में ही मामला पहुंचेगा तब ही पता चलेगा कौन कितना सही या गलत था। ताजा मामला कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत कोर्ट से मिली दो साल की सजा सुनाने का है। हालांकि इसमें उनको जमानत मिल गई है और एक महीने में बड़ी अदालत में अपील करने को कहा गया है। राहुल की सजा के ऐलान के बाद कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष भाजपा की मोदी सरकार पर बिफर पड़ी है। जबकि भाजपा ने कहा है सारी कार्रवाई कानून के दायरे में हो रही है। मामला खबर के हिसाब से बस एक खबर है पर इसका राजनीति पर दूरगामी असर होगा।

भाजपा भले ही इसे ऐसे पेश कर रही हो कि जो गलत करेगा वो सजा तो पाएगा। पर जिस तरह से पिछले एक महीने में कई नेताओं को ईडी-सीबीआई व आईटी के सामने आने को मजबूर किया गया उसका नुकसान अगले चुनाव में बीजेपी को मिल सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं गलत के साथ सहानुभूति नही होना चाहिए परंतु इस तरह की कार्यवाहियों में दो आंख नही होना चाहिए। सत्ता पक्ष के लोगों पर भी उतनी तेजी से एक्शन करना चाहिए। राहुल पर भारत जोड़ो यात्रा के बाद से सत्तारुपी कहर ज्यादा ढाया जा रही है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा, भारतीय लोकतंत्र, मीडिया, न्यायपालिका जैसे कई मुद्दों पर बात की। राहुल ने कहा कि हर कोई जानता है कि भारतीय लोकतंत्र पर हमले किए जा रहे हैं। इस मामले में बीजेपी ने स्पीकर ओम बिरला से लोकसभा की एक विशेष समिति का गठन करने के लिए कहा था ताकि पता लगाया जा सके कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी को यूनाइटेड किंगडम की अपनी हालिया यात्रा के दौरान देश, लोकतंत्र और संसद का कथित रूप से अपमान करने के लिए निलंबित किया जाना चाहिए। राहुल ने आरोपों को खारिज किया है और अपने बयानों के लिए माफी मांगने से इनकार किया है।

राहुल की सांसदी पर भी लटकी तलवार

लोक-प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के मुताबिक, अगर किसी नेता को दो साल या इससे ज्यादा की सजा सुनाई जाती है तो उसे सजा होने के दिन से उसकी अवधि पूरी होने के बाद आगे छह वर्षों तक चुनाव लड़ने पर रोक का प्रावधान है। अगर कोई विधायक या सांसद है तो सजा होने पर वह अयोग्य ठहरा दिया जाता है। उसे अपनी विधायकी या सांसदी छोड़नी पड़ती है। संविधान विशेषज्ञ कहते हैं कि राहुल गांधी को दो साल की सजा जरूर हुई है, लेकिन सजा अभी निलंबित है। ऐसे भी फिलहाल उनकी सांसदी पर कोई खतरा नहीं है। राहुल को अगले तीस दिन के भीतर ऊंची अदालत में फैसले को चुनौती देनी होगी। अगर वहां भी कोर्ट निचली अदालत को बरकार रखती है तो राहुल की संसद सदस्यता जा सकती है।

हमेशा से ऐसा होता रहा है?

नहीं, 2013 के पहले ऐसा नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में इस अधिनियम को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए धारा 8(4) को असंवैधानिक करार दिया था। इस प्रावधान के मुताबिक, आपराधिक मामले में (दो साल या उससे ज्यादा सजा के प्रावधान वाली धाराओं के तहत) दोषी करार किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को उस सूरत में अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता था, अगर उसकी ओर से ऊपरी न्यायालय में अपील दायर कर दी गई हो। यानी धारा 8(4) दोषी सांसद, विधायक को अदालत के निर्णय के खिलाफ अपील लंबित होने के दौरान पद पर बने रहने की छूट प्रदान करता है। इसके बाद से किसी भी कोर्ट में दोषी ठहराए जाते ही नेता की विधायकी-सासंदी चली जाती है।

क्यों भड़की बीजेपी?

राहुल गांधी ने लंदन में भारत जोड़ो यात्रा, भारतीय लोकतंत्र, मीडिया, न्यायपालिका जैसे कई मुद्दों पर बात की। संसद, प्रेस, न्यायपालिका ... सभी मजबूर हो गए हैं। 6 मार्च को चैथम हाउस में एक चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि ये एक भारतीय समस्या है कि सबको लगता है कि समाधान अंदर से आएगा... लेकिन लोकतंत्र का मतलब ये होता है कि लोगों की सहमती से हर काम हो... ऐसे में ये लोकतंत्र का पतन होने जैसा है। भाजपा के अनुसार, राहुल ने अपमानजनक, अनुचित टिप्पणियां कीं और उन्हें बदनाम करने के लिए सोची-समझी कोशिश के हिस्से के रूप में विदेशी धरती पर भारतीय संस्थानों के बारे में एक हानी फैलाई।

विशेषाधिकार का हनन लाना चाहती थी भाजपा

सातवीं, आठवीं और नौवीं लोकसभा के महासचिव और संविधान विशेषज्ञ ने कहा कि यह सदन को तय करना है। सदन यह तय कर सकता है कि सदस्य ने विशेषाधिकार का उल्लंघन किया है या सदन की अवमानना की गई है। सदन को पूरा अधिकार है। सामान्य तौर पर, राहुल का यह आरोप कि जब विपक्षी सांसद बोलते हैं तो उनके माइक बंद कर दिए जाते हैं, यह विशेषाधिकार समिति के लिए मामला हो सकता है क्योंकि इसे अध्यक्ष के अपमान के रूप में देखा जा सकता है। हालाँकि, उनका यह कहना कि भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, शायद संसद के विशेषाधिकार का हनन नहीं होगा। यहां भी सदन सर्वोच्च है। सदन एक समिति का गठन कर सकता है और इसके संदर्भ की शर्तें तय कर सकता है। यह पूरी तरह से इसकी शक्ति के भीतर है। ऐसी समिति की स्थापना और उसके संदर्भ की शर्तों के लिए एक प्रस्ताव लाकर एक विशेष समिति का गठन किया जा सकता है। किसी को भी इसके लिए दंडित किए जाने से पहले अपराध को परिभाषित करना होगा। 2008 में नोट के बदले वोट घोटाले की जांच के लिए जिस तरह की समिति गठित की गई थी, उसी तरह की एक समिति का गठन जांच और सांसद को दंडित करने के लिए किया जा सकता है। लोकसभा की आचार समिति में सदस्यों के नैतिक और नैतिक आचरण को देखने के लिए एक तंत्र पहले से मौजूद है। हालाँकि, भाजपा नहीं चाहती कि राहुल का मामला समिति के समक्ष कई मुद्दों में से हो। इसके बजाय, वह 2005 में कैश-फॉर-क्वेरी स्कैंडल की जांच के लिए गठित एक विशेष समिति की तर्ज पर एक विशेष समिति चाहता है।

सजा मिलने के बाद कई माननीयों की सदस्यता जा चुकी है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने मानहानि के मामले में दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई है। राहुल पर 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान मोदी सरनेम पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप लगा था। इसी मामले में राहुल पर गुजरात के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या इससे अधिक की सजा होती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है। हालांकि, राहुल को अभी एक महीने की मोहलत मिली हुई है। राहुल इस फैसले के खिलाफ एक महीने के अंदर सेशंस कोर्ट में अपील दायर कर सकते हैं। अगर सेशंस कोर्ट भी सजा बरकरार रखती है तो जरूर राहुल की सदस्यता पर खतरा मंडरा सकता है।

राहुल पहले ऐसे नेता नहीं हैं, जिनकी सदस्यता जा सकती है। इसके पहले भी कई ऐसे सांसद और विधायकों की सदस्यता जा चुकी है, जिन्हें कोर्ट ने दो साल या इससे अधिक की सजा सुनाई है। आज हम ऐसे ही कुछ नेताओं के बारे में बताएंगे, जिनकी सदस्यता सजा के चलते चली गई। ये भी बताएंगे कि वो कौन सा नियम है, जिसके जरिए विधायकों और सांसदों की सदस्यता रद्द हो जाती है? समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और रामपुर से विधायक रहे आजम खान की सदस्यता भी चली गई है। आजम रामपुर से लगातार 10 बार विधायक चुने जा चुके हैं और सांसद भी रहे। आजम खान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी का आरोप लगा था। इस मामले में तीन साल तक कोर्ट में केस चला और फिर कोर्ट ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई। सजा होने के बाद आजम को जमानत तो मिल गई लेकिन

उनकी विधानसभा की सदस्यता जरूर चली गई। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान के बाद उनके बेटे अब्दल्ला आजम की भी विधानसभा सदस्यता रद्द हो गई है। मुरादाबाद की एक विशेष अदालत ने 15 साल पुराने मामले में सपा महासचिव आजम खान और उनके विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम को दो साल की सजा सुनाई थी। मुजफ्फरनगर की खतौली से विधायक रहे विक्रम सैनी की भी सदस्यता चली गई है। विक्रम दंगे में शामिल होने के दोषी पाए गए थे। लक्षद्वीप सांसद मोहम्मद फैजल को भी कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। जिसके बाद उनकी सदस्यता चली गई थी। अभी ये मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। फैजल पर कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पीएम सईद और मोहम्मद सालिया पर हमला करने का आरोप था। झारखंड की रामगढ़ विधानसभा सीट से विधायक ममता देवी को अयोग्य करार दिया गया था। ममता को हजारीबाग जिले की एक विशेष अदालत ने पांच साल कारावास की सजा सुनाई थी। इन सभी को 2016 के दंगे और हत्या के प्रयास के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। वहीं भारतीय जनता पार्टी से अयोध्या की गोसाइगंज सीट से विधायक रहे इंद्र प्रताप सिंह उर्फ खब्बू तिवारी की सदस्यता 2021 में चली गई थी। खब्बू तिवारी फर्जी मार्कशीट केस में दोषी पाए गए थे और 18 अक्टूबर 2021 को एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा उन्हें पांच साल की सजा सुनाई थी।

उन्नाव रेप कांड में दोषी ठहराए गए भाजपा के विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की भी सदस्यता जा चुकी है। कुलदीप सेंगर को रेप मामले में दोषी ठहराया गया था और कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हमीरपुर जिले के भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे अशोक कुमार सिंह चंदेल को भी एक अदालत ने हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके बाद चंदेल की विधानसभा सदस्यता चली गई। आरजेडी विधायक अनिल कुमार साहनी को दिल्ली की एक सीबीआई अदालत ने धोखाधड़ी के एक मामले में दोषी ठहराया था। उन्हें तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके चलते बिहार विधानसभा से उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। बिहार के मोकामा विधायक अनंत कुमार सिंह की भी सदस्यता जा चुकी है। सिंह के आवास से हथियार और विस्फोटक की बरामदगी हुई थी। इस मामले में पटना की एक अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। जिसके बाद उनकी सदस्यता चली गई।

2005 में समिति हुई थी गठित

12 दिसंबर, 2005 को एक निजी टीवी चैनल ने ऑनलाइन पोर्टल कोबरापोस्ट द्वारा किए गए एक स्टिंग ऑपरेशन को प्रसारित किया, जिसमें 10 लोकसभा और एक राज्यसभा सांसद को संसद में सवाल पूछने के बदले में नकद स्वीकार करने का दावा किया गया था। 11 आरोपी सांसदों में से छह भाजपा, तीन बसपा के और एक-एक राजद और कांग्रेस के थे। सांसदों की कथित कार्रवाई को अनैतिक और भ्रष्ट के रूप में देखा गया। लोकसभा ने कांग्रेस सांसद पवन कुमार बंसल के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई जिसमें वी के मल्होत्रा (बीजेपी), राम गोपाल यादव (समाजवादी पार्टी), मोहम्मद सलीम (सीपीआई-एम) और सी कुप्पुसामी (डीएमके) सदस्य के रूप में थे। राज्यसभा में जांच सदन की आचार समिति ने की। लोकसभा में पेश की गई 38 पन्नों की रिपोर्ट में समिति ने कहा कि 10 सांसदों के खिलाफ आरोप सिद्ध हो चुके हैं। यह नोट किया गया कि 1951 की अस्थायी संसद में जवाहरलाल नेहरू द्वारा पेश किए गए एक प्रस्ताव में संसद में किसी मुद्दे की वकालत करने के बदले में धन स्वीकार करने वाले किसी भी सदस्य के प्रति पूरी तरह से घृणा व्यक्त की गई थी। 24 दिसंबर, 2005 को संसद ने 11 सांसदों को निष्कासित करने के लिए मतदान किया। भाजपा ने जोरदार विरोध किया।

न्यायपालिका को भी अपनी जेब में रखना चाहती है कांग्रेस : बीजेपी

भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने मानहानि के मामले में दो साल की सजा दी है। कांग्रेस पार्टी बहुत कुछ कह रही है, लेकिन यह नहीं बता रही है कि राहुल गांधी ने क्या कहा था? राहुल गांधी ने कर्नाटक में 2019 की चुनावी रैली में कहा था..सारे चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है?

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सतर्कता व सावधानी में ही सुरक्षा

> हमारे देश में अब जहां कहीं कोविड के रोगी देखने को मिलते हैं, वहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रलय की गाइडलाइन के अनुसार कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए निर्देशित किया जाता है। जैसे भीड़-भाड़ भरे इलाकों में जाने से बचें, मास्क का उचित प्रयोग करें, हाथों को सैनिटाइज करें या साबुन और साफ पानी से धोकर साफ तौलिये से पोछें। जिन लोगों ने कोविड की बूस्टर या प्रिवेंशन डोज नहीं लगवाई है, वे जरूर लगवाएं।

होली के बाद से कोरोना के केस तेजी से सामने आ रहे हैं। आज से 3 साल पहले महामारी के रूप में आए इस बीमारी ने मौत के रूप में पूरी दुनिया में तबाही मचाई थी। हालांकि धीरे-धीरे ये जाने लगा था पर अभी कुछ दिनों से इसके एक्टिव केस बढ़ रहे हैं। ऐसे में लोगों को सर्तक रहने की जरूरत है, सावधानी पर भी कड़ी नजर रखना जरूरी है। ज्ञात हो देश के कुछ क्षेत्रों में कोरोना के मामले देखने को मिल रहे हैं। सरकार ने गाइडलाइन जारी कर दी है। कोरोना प्रोटोकॉल फॉलो करने के निर्देश दिए गए हैं। यह जागरूकता और सावधानी के लिहाज से किया गया है। हालांकि दूसरे देशों की तुलना में भारत में कोरोना के केस ना के बराबर हैं। इसकी वजहें भी हैं। देश में अधिकतर लोगों ने वैक्सीनेशन करा लिया है और हर्ड इम्यूनिटी भी विकसित हो गई है। कोविड के केस आजकल उन लोगों में देखने को मिल रहे हैं, जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई है। जिनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता दूसरी बीमारियों की वजह से कम हो गई है, उनमें भी बीमारी के लक्षण मामूली ही हैं। बीमारी की गंभीरता के लिहाज से देखें तो इससे मृत्यु तो ना के बराबर ही है। कई केसों में देखने को मिला है कि कोरोना का इन्फेक्शन हुआ और मरीज को थोड़ी परेशानी हुई- सामान्य सर्दी, बुखार और वे ठीक हो गए। एहतियातन डॉक्टर से संपर्क कर लेना अच्छा है।

हमारे देश में अब जहां कहीं कोविड के रोगी देखने को मिलते हैं, वहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रलय की गाइडलाइन के अनुसार कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए निर्देशित किया जाता है। जैसे भीड़-भाड़ भरे इलाकों में जाने से बचें, मास्क का उचित प्रयोग करें, हाथों को सैनिटाइज करें या साबुन और साफ पानी से धोकर साफ तौलिये से पोछें। जिन लोगों ने कोविड की बूस्टर या प्रिवेंशन डोज नहीं लगवाई है, वे जरूर लगवाएं। जो सांस की बीमारी जैसे दमा, ब्रोन्काइटिस, फेफड़े की टीबी से ग्रसित हैं, उन्हें विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कई बीमारियां हैं, जिनकी वजह से रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जैसे कैंसर में कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी और अंग-प्रत्यारोपण वाले रोगों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। कोविड एक वायरस जनित रोग है। इसलिए इसमें एंटीबायोटिक की कोई भूमिका नहीं होती है, जब तक कोविड के साथ-साथ बैक्टीरियल संक्रमण न हो। कोविड के रोगियों में प्लाज्मा थेरेपी की भी कोई भूमिका देखने को नहीं मिलती है। आजकल एच2एन3 वायरस का संक्रमण भी देखने को मिल रहा है। यह बच्चों और बुर्जुगों में ज्यादा देखने को मिलता है। लेकिन लोगों में कोरोना का डर बैठ गया है। प्रिकॉशन बरतना जरूरी है, पर किसी बीमारी की अफवाह न फैलने पाए, यह ज्यादा जरूरी है। जब भी परेशानी हो, डॉक्टरों की सलाह लें। अपने मन से दवाइयों का इस्तेमाल न करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फिर अपनाने होंगे डा.लोहिया के विचार

डॉ.सी पी राय

23 मार्च को डॉ राममनोहर लोहिया का जन्मदिन मनाया गया । देश के वणिक समाज के लोग अपने कार्यक्रम में उनकी फोटो लगायेंगे और उनको अपने समाज का गौरव बताएँगे और वे ये भूल जाना चाहेंगे तथा इसका जिक्र भी नहीं करना चाहेंगे की उसी डॉ लोहिया ने इस देश में जाति तोड़ो अभियान चलाया था और तमाम लोगों ने अपने नाम से जाति का नाम हटा दिया था । ये लोग ये भी याद नहीं रखना चाहेंगे की उसी डॉ लोहिया ने कई लाखो जनेऊ तुड़वा कर जलवा दिया था । ये तो बिलकुल याद नहीं रखना चाहिए कि उसी डॉ लोहिया ने संसोपा ने बाँधी गांठ – पिछड़े पाए सौ में साठ का नारा दिया था । जिसने मण्डल कमीशन की बुनियाद रखा । पर उनके नाम के साथ उनकी जाति चिपकाते हुए बताया जायेगा की डा. लोहिया भी दर असल बनिया थे और डॉ लोहिया को शायद इससे बड़ी गाली दी भी नहीं जा सकती जो उन्हें इतना छोटा बना कर दी जाएगी ।

कुछ दूसरे हम जैसे लोग भी उन्हें शायद याद करेंगे जो उनके चित्र से अपने ड्राइंग रूम या ऑफिस सजाते है हम जैसे लोग उनके इतिहास को याद करने की कोशिश करेंगे ,उन्हें याद करने की कोशिश करेंगे केवल एक व्यक्ति के रूप में ,एक नेता के रूप में और थोडा सा स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भी शायद याद कर लें । पर उनकी बातो पर ध्यान नहीं देंगे ,उनके विचारो को अपनी अलमारियों के सबसे पीछे खाने के लिए छोड़ देंगे । डॉ लोहिया अगर चाहते तो पूरी जिंदगी सांसद रह सकते थे । वे चाहते तो नेहरु जी की सरकार से लगातार केंद्र का महत्वपूर्ण मंत्री रह सकते थे । वे चाहते तो दिल्ली के एक शानदार बंगले का सुख उठा सकते थे ।

पर फिर इतिहास चक्र कौन लिखता, कौन सीता और सावित्री और द्रौपदी के बहाने औरतों की स्वतंत्रता की चर्चा छेड़ता। फिर चित्रकूट में रामायण मेला लगा कर संस्कृति को सहेजता कौन? देश विभाजन के गुनाहगार की चर्चा नहीं कर सकते थे वे। राम, कृष्ण, शिव या केवल कृष्ण लिख कर इनके बहाने जीवन संस्कृति, जिम्मेदारियों, मर्यादाओ और न्याय की चर्चा नहीं कर पाते वे । तब कहा सगुण और निर्गुण की बात हुयी हुयी नए संदर्भो में। तब नहीं हुयी होती चर्चा संसद में अमीरी और गरीबी की इतनी बड़ी खाई की तीन आना बनाम छ आना की बहस के साथ। तब कौन भारत को चीन के आक्रमण से आगाह करता ।

कौन होता जो तिब्बत की लड़ाई लड़ता । तब शायद गोवा की आजादी और लम्बी हो जाती और नेपाल में जागरण का सूरज देर से पहुँचता। कौन दहाड़ कर कहता की हिमालय बचाओ और जिस पानी की आज चर्चा है उसकी बुनियाद किसने रखी होती गंगा बचाओ का अभियान चला कर और उसके बहाने सभी नदियों को बचाने की आवाज लगा कर । तब कौन कहता की दुनिया को सात क्रांतियों की जरूरत है वो रंग भेद के खिलाफ हो ,यानि चमड़ी की हो ,वो स्त्री पुरुष के बीच भेद की हो ,वो जाती के आधार पर भेदभाव के खिलाफ हो, वो धर्म के आधार पर भेदभाव के खिलाफ हो ,गरीबी अमीरी के भेदभाव के खिलाफ हो इत्यादि। तब कौन इबारत लिखता चौखम्भा राज की जिसके आधार पर आज का भारत गाँव से देश तक चार सरकारों से संचालित होता है।

यदि डॉ. लोहिया ने सब सुख स्वीकार कर लिया होता तो कौन तोड़ता आजादी के बाद भी हमें मुह चिढाती अंग्रेजो की मूर्तियों को और महीनो इसके लिए जेल काटता राजनारायण जैसे साथियों के साथ और मूर्तियाँ आज भी हमारे सीने पर मूंग दल रही होती। तब कौन लड़ाई छेड़ता अंग्रेजी हाय हाय की जिसकी एक परिणिति अभी दिखलाई पड़ी है जब आई ए एस के इम्तहान से अंग्रेजी की बाध्यता समाप्त कर दी गयी है। कौन कहता की किसान को उसकी उपज का मूल्य दो और गरीब को उसका हक । वे नहीं कह पाते संसोपा ने बांधी गांठ और पिछड़े मांगे सौ में साठ; और आज का सामाजिक न्याय का परिदृश्य भी शायद दिखलाई नहीं पड़ता या अभी शैशव अवस्था में घुटने पर चल रहा होता। यदि उन्होंने मंत्री पद स्वीकार कर लिया होता तो कौन बताता इस देश को की पहाड़ जैसे सत्ता में बैठे लोगो से कैसे टकराया जा सकता है और कौन अहसास करवाता की विपक्ष भी कुछ होता है । कौन गैर कांग्रेसवाद का सिद्धांत देकर अजेय कांग्रेस की देश में नौ सरकारें गिरा कर रास्ता दिखाता की कांग्रेस की सरकार हटाई भी जा सकती है। कौन लड़ता नेहरु जी जैसे बड़े नेता से और ये कहने का साहस करता की मै जानता हूँ की पहाड़ से टकरा रहा हूँ पर टकराते टकराते मई दरार तो पैदा कर ही दूंगा जिसे कल कोई गिर भी देगा ।

हाँ जो सब छोड़ने को तैयार होते है वही नए समाज की रचना करते है ,वाही देशी की आजादी के योद्धा होते है ,वाही सामाजिक और आर्थिक क्रांतियाँ करते है । वही समाज को रास्ता दिखाते है । वही वाही उंच नीच के भेदभाव से लड़ते है । ऐसे लोग ही होते है क्रांतिदूत ,समाज परिवर्तक ,और महामानव ।

शहादतों से हासिल आजादी की कीमत समझें

कृष्ण प्रताप सिंह

सदियों पहले हमारी स्वतंत्रता छीन चुके गोरों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की मार्फत उसे हासिल करने के लिये प्राणपण से समर्पित तीन क्रांतिकारी नायकों—शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को 1931 में आज ही के दिन हमसे छीन लिया गया था। अंग्रेजों ने लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी के लिए तय तारीख और वक्त से पहले ही उन्हें फांसी देकर उनके साथ अपने बनाये कई नियम-कायदों को भी शहीद कर दिया था।

इन नायकों द्वारा खुशी-खुशी अपने प्राण देकर अदा की गई स्वतंत्रता की यह कीमत कितनी जरूरी और बड़ी थी, इसे ठीक से समझने के सारे रास्ते उनकी शहादतों से बारह साल पहले 1919 में 13 अप्रैल को ऐन बैसाखी के दिन पंजाब के अमृतसर शहर में स्वर्ण मन्दिर के पास स्थित जलियांवाला बाग में हुए कांड की ओर जाते हैं। गोरे जनरल डायर ने उस दिन कुख्यात रॉलेट एक्ट के विरुद्ध उक्त बाग में एकत्रित पूरी तरह शांत व संयत भीड़ पर बर्बर पुलिस फायरिंग कराकर हज़ारों निर्दोषों को हताहत किया था।

इस नृशंसता ने देश के नवयुवकों को न सिर्फ गुस्से से भर दिया, बल्कि किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता हासिल करने के लिए बेसब्र कर दिया था। इसके अगले ही बरस महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन शुरू किया तो वे बड़ी उम्मीदों के साथ उसमें सक्रि य हुए थे। कई जगह तो उन्होंने आगे बढ़कर समूचे आन्दोलन को अपने हाथ में ले लिया था। लेकिन चार फरवरी, 1922 को हुए चौरी-चौरा कांड (जिसमें 23 पुलिसकर्मी गुस्साई भीड़ द्वारा थाने में लगाई गई आग से जलकर मर गये थे) के बाद महात्मा ने अचानक आंदोलन वापस ले लिया तो ज्यादातर युवकों का अहिंसक स्वतंत्रता संघर्षों से मोहभंग हो गया। फिर तो वे चंद्रशेखर आज़ाद की हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़कर सशस्त्र संघर्षों के जरिये स्वतंत्रता के सपने देखने लगे।

इन संघर्षों के लिए धन जुटाने हेतु नौ अगस्त, 1925 को उन्होंने पं. रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में लखनऊ में काकोरी के पास पैसेंजर ट्रेन रोककर उसमें ले जाया जा रहा सरकारी खजाना लूट लिया तो गोरी सरकार उन्हें सबक सिखाने को आतुर हो उठी। जांच व मुकदमे के बेहिसाब नाटक के बाद उसने राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर, 1927 को, तो रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां व रौशन सिंह को 19 दिसंबर, 1927 को क्रमश: गोंडा, गोरखपुर, फैजाबाद और इलाहाबाद की मलाका जेल में फांसी देकर शहीद कर दिया, कई साथियों को लम्बी-लम्बी सजाएं दीं, तो अधीर युवकों का बचा-खुचा धैर्य भी जाता रहा।

30 अक्तूबर, 1928 को लाहौर में साइमन कमीशन के विरुद्ध उग्र प्रदर्शन पर हुए भीषण लाठीचार्ज में आई गंभीर चोटों के चलते 17 नवम्बर, 1928 को कांग्रेस के गर्मदल के नेता पंजाब केसरी लाला लाजपतराय का निधन हो गया, तो युवकों के अधैर्य की आग में और घी पड़ गया। वे पंजाब केसरी के इस कथन को प्रमाणित करने के लिए प्राणों की बाजी लगाने पर उतर आये कि 'मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक-एक कील का काम करेगी।'

हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी ने फौरन पंजाब केसरी की मौत का बदला लेने की ठान ली। लेकिन 17 दिसम्बर, 1928 को उन पर प्राणघातक लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार पुलिस सुपरिंटेंडेंट जेम्स ए स्कॉट की हत्या की योजना पर अमल के दौरान भगत सिंह व राजगुरु ने गफलत में उसके सहायक जॉन पी सांडर्स को भून डाला। दरअसल, हुआ यह कि लाला जी के निधन के ठीक एक महीने बाद वे स्कॉट को मारने के इरादे से लाहौर स्थित पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर पहुंचे तो स्कॉट की जगह सांडर्स बाहर निकल आया। गलत पहचान के कारण भगत सिंह व राजगुरु ने उसे ही स्कॉट समझकर मार गिराया। उस पर पहली गोली राजगुरु ने चलाई, दूसरी भगत सिंह ने और उसके घायल होकर गिर जाने के बाद भी वे उस पर गोलियां चलाते रहे। इस बीच सिपाही चानन सिंह भगत सिंह को पकड़ने बड़ा तो हालात पर नजर रख रहे चन्द्रशेखर आजाद ने उसे भी मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद आज़ाद साधुवेश धारण करके मथुरा चले गये, जबकि भगत सिंह कलकत्ता। पुलिस को चकमा देने के लिए भगत सिंह ने रौबीले अफसर के रूप में 'पत्नी, बेटे व अर्दली के साथ' ट्रेन के फर्स्ट क्लास में यात्रा की। क्रांतिकारी भगवतीचरण वोहरा की पत्नी श्रीमती दुर्गा वोहरा उनकी पत्नी बनकर साथ गईं, जबकि राजगुरु अर्दली बनकर। दुर्गा भाभी का तीन साल का बेटा उनका बेटा बना। लेकिन 'बहरों को सुनाने के लिए जोरदार धमाके की जरूरत' महसूस करते हुए भगत सिंह ने सेंट्रल असेंबली में बम फेंके और भाग जाने के बजाय खुद को गिरफ्तार कराने का विकल्प चुन लिया तो पुलिस ने बिना देर किये उनको लाहौर की मियांवाली जेल में शिफ्ट कर दिया, ताकि वे सांडर्स हत्याकांड में मुकदमे का सामना कर सकें। 1929 को नागपुर से पुणे जाते समय राजगुरु भी पुलिस के हत्थे चढ़ गये। अधिकारियों ने भगत सिंह की उन्हें व अन्य क्रांतिकारी कैदियों को 'राजनीतिक बंदी' मानने और पुस्तकें व समाचारपत्र उपलब्ध कराने की मांग ठुकरा दी तो उन्होंने जेल में बन्द अपने साथियों के साथ 15 जून से 5 अक्तूबर, 1929 तक 112 दिन लंबी भूख हड़ताल की।

जापान की इन जगहों पर घूमने से दिल हो जाता है तरोताजा

आप जब घूमने की प्लानिंग करते हैं, तो किस तरह की जगह चुनना पसंद करते हैं? कहने का मतलब है कि आपको समुंद्र का किनारा ज्यादा पसंद है या फिर ऊंचे पहाड़ों का नजारा? शायद इस सवाल का जवाब आप कई बार दे चुके होंगे। कई बार हमारा मूड पहाड़ों में शांति के पल बिताने का होता है, तो कई बार समुद्र के किनारे ही सुकून मिलता है। पानी की लहरें जब आपके पैरों को छूकर निकलती हैं, तो आप भागदौड़ भरी जिंदगी को बिल्कुल भूल जाते हैं। वहीं, बर्फ से ढके पहाड़ आपके दिल को तरोताज़ा कर देते हैं।

डिजनीलैंड

बच्चों को मस्ती कराने के लिए जापान टोक्यो का डिजनीलैंड सबसे बेस्ट है। बच्चों के साथ बड़े बी यहां स्विमिंग और बीच पर घूमने का मजा ले सकते हैं। इसके अलावा आप यहां सिंड्रेला कैस्टल, नदी में जोंडालैस, मेजिकल नाइट टाइम इल्युमिनेशन और फेमस डिज्नी परेड का नजारा लें सकते है।

होक्काइडो बीच

पिछले साल, समुद्र के किनारे की एक खूबसूरत तस्वीर खूब वायरल हुई थी, जहां एक व्यक्ति समुद्र की रेत पर चल रहा था, लेकिन दूसरी तरफ बर्फ का पहाड़ भी था। जी हां, यह एक ऐसी जगह है, जहां पहाड़ भी हैं और समुद्र भी। इस जगह का नाम है होक्काइडो बीच, जो जापान में है। हिसा नाम के एक फोटोग्राफर ने इस तस्वीर को पिछले साल इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। ऑनलाइन यूजर्स की मानें, तो यह तस्वीर यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क की है। जो जापान के पश्चिमी हिस्से में है। यह टोटोरी में पश्चिमी हाकोतो कैगन तट से क्योटो में पूर्वी क्योगामिसाकी केप तक लंबा है। इस बीच पर आप समुद्र के किनारे, रेत, पहाड़ और बर्फ, सभी चीजों का मजा ले सकते हैं। इन अद्भुत नजारों की वजह से जापान की यह जगह ट्रेवल प्रेमियों की बकेट लिस्ट में जरूर होती है।

कवाजुजाकुरा

कवाजुजाकुरा एक खास तरह का चेरी ब्लॉसम फूल है, जिसे शिजॉका प्रांत के कवाजु क्षेत्र में देखा जा सकता है। इसे जल्दी खिलने वाले चेरी ब्लॉसम के रूप में जाना जाता है, और इसके खूबसूरत फूल फरवरी की शुरुआत से खिलने लगते हैं। इस फूल की पंखुड़ियां बड़ी होती हैं, जिनका रंग गहरा गुलाबी होता है। यहां नदि के किनारे करीब 800 चेरी ब्लॉसम पेड़ हैं, जो इस मौसम में खिलते हैं।

इसुमी रेलवे

इसुमी रेलवे एक 26.8 किमी लंबी रेलवे लाइन है, जो चिबा प्रान्त में बोसो प्रायद्वीप के पूर्व भाग में स्थित है। 1988 में अपने उद्घाटन के बाद से, यह ओहारा स्टेशन को कज़ुसा नाकानो स्टेशन से जोड़ता है, जिसकी यात्रा बेहद शांतिपूर्ण है। इस सफर में आप सुंदर ग्रामीण इलाकों के परिदृश्य को देखने का आनंद उठा सकते हैं। हालांकि, इस ट्रेन का सफर लोग इस खूबसूरत नजारों को देखने के लिए ही करते हैं।

हुईस टेन बॉश

हुईस टेन बॉश जापान का सबसे पॉपुलर थीम पार्क है। यह नागासाकी प्रांत के क्यूशू क्षेत्र में स्थित है, जहां हर साल लगभग 3 मिलियन सैलानी आते हैं। यहां की इमारतें पश्चिमी शैली की बनी हैं, 17वीं शताब्दी में नीदरलैंड्स के शहरी परिदृश्य पर आधारित हैं। पार्क के नाम का अर्थ डच में जंगल का घर है। पार्क के बीचोबीच 8 किमी लंबी एक नदी बहती है, जिसके किनारे घर और अन्य इमारतें बनी हैं। वसंत में यह पार्क खूबसूरक फूलों और पौधों से ढक जाता है।

माउंट फिजी

जापान की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है माउंट फिजी। दरअसल, यह जापान का सबसे ऊंचा पर्वत है और पर्वतारोहियों के लिए सबसे बेहतरीन जगहों में से एक माना जाता है। इसकी खूबसूरती देखने के लिए देश-विदेश से टूरिस्ट पहुंचते हैं। लगभग पूरी तरह से गोल, इसका सममित रूप लंबे समय से कविता और चित्रकला में मनाया जाता है, विशेष रूप से 8 वीं शताब्दी में यामाबे अकाहिटो और लकड़ी के टुकड़ों की श्रृंखला में छंद, फूजी के दृश्य, 19वीं शताब्दी के अंत में होकुसाई द्वारा। जापान का प्रतीक और प्रतीक, अक्सर बर्फ से ढके हुए माउंट फुजी, एक स्पष्ट दिन पर, पूर्व में 100 किलोमीटर दूर टोक्यो के रूप में दूर से देखा जा सकता है। का हिस्सा फूजी-हाकोन-इज़ू राष्ट्रीय उद्यान, माउंट फुजी पर्वत और आसपास के शहरों में हर साल दस लाख से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करता है।

हंसना मना है

रिश्तेदार – बेटा आगे जिंदगी में क्या करोगे... लड़का – कुछ भी करुंगा लेकिन किसी के घर जाकर उनके बच्चों से ऐसे सवाल नहीं करुंगा...!

पिता (अपनी बेटी से) – बेटी, पहले तुम मुझे पापा बुलाती थी, अब डैड क्यों कहने लगी हो... बेटी – वो पापा बोलने से मेरी लिपस्टिक खराब हो जाती है ना...!!!

क्लास में मास्टर जी ने बच्चों से पूछा- बताओ, कांटों भरे रास्ते पर आपका साथ कौन देगा, पति, पत्नी, भाई, बहन, मां-बाप, प्रेमी, प्रेमिका या दोस्त.. पप्पू खड़े होकर बोला – सर चप्पल...! फिर मास्टर जी ने भी चप्पल से की पप्पू की पिटाई...

गिरा दूंगा हर वो दीवार जो...तेरे मेरे बीच में आएगी...क्योंकि मेरा एक दोस्त... जेसीबी चलाता है...!!!

कहानी — अपनी भाषा पर गर्व

बात उन दिनों की है जब स्वामी विदेश यात्रा पर गए थे। वहां उनके आदर-सत्कार के लिए कई लोग आए। उनमें से कुछ लोगों ने स्वामी से साथ हाथ मिलाना चाहा और कुछ ने अंग्रेजी में उनसे 'हेलो' कहा। स्वामी विवेकानंद ने जवाब में हाथ जोड़ते हुए सबको नमस्कार कहा। यह देखकर कुछ लोगों ने सोचा कि स्वामी को अंग्रेजी नहीं आती है, इसलिए वो जवाब में नमस्ते कह रहे हैं। ऐसा सोचकर भीड़ में से एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से हिंदी में पूछा कि आप कैसे हैं? हिंदी में सवाल सुनकर स्वामी विवेकानंद मुस्कुराए और उसे इंग्लिश में जवाब दिया, आई एम फाइन, थैंक यूं। स्वामी विवेकानंद का अंग्रेजी में जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। लोगों के मन में हुआ कि जब इनसे अंग्रेजी में सवाल किया गया तब हिंदी में जवाब मिला और फिर हिंदी में बात करने पर इंग्लिश में जवाब मिला। आखिर ऐसा क्यों हुआ। तभी एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से यह सवाल पूछ ही लिया। इसका जवाब देते हुए स्वामी विवेकानंद ने बड़ी ही विनम्रता से कहा कि जब आप लोगों ने अंग्रेजी में बात करके अपनी भाषा को आदर दिया, तब मैंने अपनी भाषा को मां मानकर उनका सम्मान करते हुए हिंदी में जवाब दिया। स्वामी विवेकानंद की इस बात को सुनकर वहां मौजूद सारे विदेशी हैरान रह गए और तभी से हिंदी भाषा को पूरे विश्व में सम्मान मिलने लगा। इस किस्से से स्वामी विवेकानंद का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्यार और आदर झलकता है।

कहानी की सीख: हमेशा अपनी राष्ट्र भाषा को सम्मान देना और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। साथ ही अन्य भाषाओं का भी इतना ज्ञान होना जरूरी है कि हम सामने वाले की बात को समझ सकें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज रुपए-पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएं तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। अगर लव लाइफ की बात करें तो आज जीवन साथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

वृषभ — आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। दोपहर तक स्थिति आपके खर्चों में बढ़ोतरी रखेगी लेकिन उसके बाद स्थिति बदलेगी और खर्चों में कमी आएगी।

मिथुन — आज आप अपना ध्यान पूजा-पाठ में लगायेंगे। आपको पैसों के लेन-देन करने में सावधानी बरतनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

कर्क — आज आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आप महत्वपूर्ण लोगों के साथ नए सम्बन्ध स्थापित करेंगे। निजी संबंधों में मधुरता आएगी।

सिंह — आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। आपकी सेहत कमजोर रहेगी और आप बीमार पड़ सकते हैं। खासतौर पर बुखार होने की संभावना होगी।

कन्या — आज आपको करियर में आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। अगर कोई खास काम करने की सोच रहे हैं, तो आज का दिन शुभ है। काम में सफलता जरूर मिलेगी।

तुला — आज आपकी राशि के लिए स्थिति बहुत सकारात्मक नहीं है। ऊर्जा की कमी रहेगी। आज कुछ अधिक ही भावुकता का अनुभव हो सकता है।

वृश्चिक — आपके लिए आज का दिन अच्छा कहा जा सकता है। दोपहर तक जिन चुनौतियों को आप झेल रहे होंगे, दोपहर बाद उनसे मुक्ति मिलेगी। आपकी इनकम बढ़िया हो जाएगी।

धनु — आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। नवरात्र के शुभ दिन पर देवी कुष्मांडा जीवन के हर क्षेत्र में आपकी सफलता सुनिश्चित करेंगी।

मकर — आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे। मन में कुछ चिंताएं रहेगी। संतान की फरमाइशों से परेशान होंगे। प्रियजनों और रिश्तेदारों के साथ किसी बहस में न पड़ें।

कुम्भ — आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। आप अपनी वाकपटुता और हाजिर जवाबी के चलते अपने कई कामों को बनाने में सफल रहेंगे। स्वास्थ्य का पूरा ध्यान दें।

मीन — आज आप अपनी कोई बात दूसरे के सामने खुलकर रख पायेंगे। नवरात्र के शुभ अवसर पर आज देवी कुष्मांडा आपके जीवन में खुशियों का संचार करेंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

काम से लौटती हूं तो घर के सभी लोगों का पांव छूती हूं: मंदाना

रश्मिका मंदाना ने साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड में अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है। ऐसे ही नहीं लोग उनकी एक्टिंग स्किल्स के कायल हैं। लोग उनकी खूबसूरती और क्यूटनेस के दीवाने हैं। हील ही में नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना ने लोगों को अपनी डेली रूटीन से रुबरु करवाया है। जहां बताया है कि वो अपने घर पर काम करने वाले लोगों से किस तरह का बर्ताव करती हैं। रश्मिका मंदाना ने बताया कि वो अपने घर में काम करने वालों की भी बहुत इज्जत करती हैं। जब भी वो काम से घर लौटती हैं तो उनके पांव जरूर छूती हैं। वो अपने माता-पिता के अलावा घर के सभी बड़ो का आशीर्वाद लेने में यकीन रखती हैं। रश्मिका ऐसा इसलिए करती हैं ताकि उन्हें किसी भी तरह से अलग या छोटा महसूस ना हो। रश्मिका अपनी लाइफ में छोटी-छोटी चीजों में यकीन रखती हैं। सोकर उठते ही उनकी डेली रूटीन शुरू हो जाती है। पहले वो अपने पेट्स के साथ समय बिताती हैं साथ ही दोस्तों से मिलना कभी नहीं भूलती हैं। रश्मिका के मुताबिक बोले गए शब्द किसी को भी तोड़ या जोड़ सकते हैं इसलिए वो किसी को भी कुछ बोलने से पहले सोचती हैं। रश्मिका को हर छोटी से छोटी बात डायरी में नोट डाउन करना बेहद पसंद है। रश्मिका को सबकी इज्जत करना बेहद पसंद है इसलिए लोगों के पांव छूती हैं। हाल ही में रश्मिका को सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिशन मजनूं में देखा गया था। जल्द ही लोग उन्हें अल्लू अर्जुन की पुष्पा के दूसरे पार्ट में देखेंगे।

जल्द ही प्रदीप संग पर्दे पर नजर आयेंगी नयनतारा

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा इन दिनों परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। निर्माता-निर्देशक विग्नेश शिवन से शादी और फिर जुड़वा बच्चों की मां बनने के बाद नयनतारा अपने परिवार को भरपूर समय दे रही हैं। बीते महीने कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि साउथ एक्ट्रेस ने कुछ पारिवारिक वजहों से फिल्मों से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस खबर से निराश हुए नयनतारा के फैंस के लिए अब एक खुशखबरी है। एक्ट्रेस जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा जल्द ही अपने पति विग्नेश शिवन के निर्देशन में बनी फिल्म में लीड रोल अदा करती नजर आएंगी। यह एक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म बताई जा रही है। नयनतारा के साथ इस फिल्म में एक्टर प्रदीप रंगनाथन के लीड रोल में होने की बात भी कही जा रही है। फिलहाल फिल्म का टाइटल फाइनल नहीं है। दावा किया जा रहा है कि कुछ सप्ताह में इस फिल्म पर काम शुरू हो जाएगा। आपको बता दें कि नयनतारा जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस ने बीते वर्ष जून में विग्नेश से शादी रचाई थी। अक्टूबर 2022 में कपल सरोगेसी से दो बच्चों के पेरेंट्स बने। कुछ वक्त पहले कहा गया था कि नयनतारा अपने परिवार और पति के प्रोडक्शन हाउस पर ध्यान देने के लिए एक्टिंग की दुनिया को विदा कहने वाली हैं। मगर, फिलहाल इन अफवाहों पर विराम लग गया है।

कमल हासन करेंगे प्रोड्यूस

हालांकि, इस फिल्म को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। कहा जा रहा है कि फिल्म की स्टारकास्ट फाइनल होने के बाद उम्मीद है कि मेकर्स फिल्म को लेकर कोई घोषणा करें। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म को कमल हासन प्रोड्यूसर करने वाले हैं।

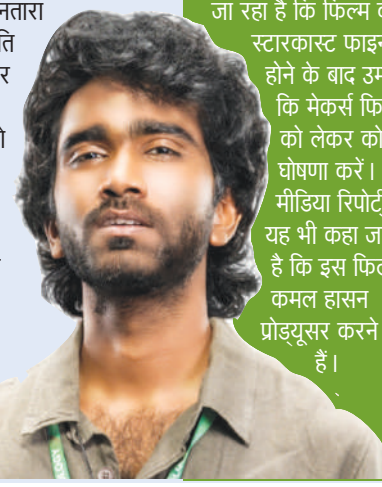

एक दूसरे से अलग हुए इमरान खान और अवंतिका मलिक

इमरान खान की पत्नी अवंतिका मलिक ने 22 मार्च को सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसके बाद से लोग कपल के डाइवोर्स की अटकलें लगा रहे हैं। दरअसल, बुधवार की सुबह अवंतिका ने एक वीडियो शेयर की, जिसमें अमेरिकी सिंगर माइली साइरस अपने गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। गाने के वीडियो में लिखा है- वो तलाक उसके लिए सबसे अच्छी बात थी। इस पर अवंतिका ने क्लिप शेयर करते हुए लिखा- 'सिर्फ उन्हीं के लिए ही नहीं।' कैप्शन को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ये अंदाजा लगा रहे हैं कि इमरान और अवंतिका का तलाक कंफर्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कपल काफी समय से अलग गए हैं। अपनी शादी को सफल बनाने की कोशिश करने के बावजूद भी दोनों एक साथ वापस नहीं आ सके हैं। अवंतिका और इमरान के तलाक की खबर आने के बाद उनके लोग उनके सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | दुनिया के पांच सबसे अनोखे गांव,

अजीबो-गरीब वजहों से होती है दुनियाभर में इन गांवों की चर्चा

दुनिया में कई ऐसे शहर और गांव हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। वहां घूमने के लिए हर साल हजारों लोग जाते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे गांव हैं जो अजीबोगरीब वजहों से मशहूर हैं। इन अनोखे गांवों के बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। हम आपको आज कुछ ऐसे ही गावों के बारे में बताएंगे जिनके बारे में जानकर आप सोच में पड़ जाएंगे।

नेपाल का होकसे गांव-नेपाल में एक होकसे गांव है जो एक किडनी वाले गांव के नाम से मशहूर है। यहां रहने वाला लगभग हर शख्स एक किडनी के सहारे जिंदा है। यहां के लोगों ने अपनी एक किडनी निकलवा कर बेच दी है। बताया जाता है कि यहां के लोगों को मानव अंगों की तस्करी करने वालों ने पैसों का लालच दिया था और उनसे कहा था कि किडनी फिर से उग आएगी। इसकी वजह से इस गांव का नाम ही किडनी वैली पड़ गया है।

चीन का अनोखा गांव-चीन के तिआंझु में एक गांव स्थित हैं जो %कुंग-फू विलेज% के नाम से जाना जाता है। इस गांव के लोग अपने हुनर की वजह से

दुनियाभर में मशहूर है। इस गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों को कुंग-फू आता है। पूरी दुनिया से लोग इस गांव में आते हैं और यहां रहने वाले लोगों से मिलते हैं। अगर किसी को कुंग-फू सीखना होता है, वो सीखते भी हैं।

इटली का मशहूर गांव-इटली को खूबसूरती के लिए दुनियाभर में लोग जानते हैं। यहां का विगानेला गांव मिलान शहर की एक गहरी घाटी के नीचे बसा है। पूरी तरह से घिरी घाटियों के बीच स्थित यह गांव इतनी गहराई में बसा है कि यहां सर्दियों में करीब तीन महीने तक सूरज की रोशनी बिल्कुल भी नहीं आती। इसलिए गांव के कुछ इंजीनियरों और वास्तुकारों ने मिलकर एक विशालकाय आईना बनाया है, जिससे रिफ्लेक्ट (प्रतिबिंबित) होकर धूप की किरणें गांव तक आती हैं और इससे गांव को सूरज की रोशनी मिलती है। इस वजह से लोग कहते हैं कि इस गांव का अपना अलग ही सूरज है।

स्पेन का जुजकार गांव- स्पेन में स्थित जुजकार गांव पूरा का पूरा नीला है। यहां पर हर किसी का घर नीले रंग का है। बताया जाता है साल 2011 में यहां एक थ्री-डी फिल्म के लिए कुछ लोगों ने अपने घरों को नीले रंग से रंगवाया था। इसके बाद तो धीरे-धीरे गांव के सभी लोगों ने अपने घरों को नीले रंग से रंगवा दिया।

नीदरलैंड के गांव में नहीं है सड़क- नीदरलैंड के गिएथूर्न गांव को खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है और यह अपने अजीबगरीब वजह से भी मशहूर है। दरअसल, इस गांव में एक भी सड़क नहीं है। इसकी वजह से यहां पर किसी के पास कोई गाड़ी नहीं है। दरअसल यह गांव पानी के ऊपर बसा हुआ है। यहां लोग कहीं भी नावों से आते-जाते हैं। यहां घूमने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

दुनिया का सबसे अनोखा पेड़, जिस पर लगते हैं सिक्के जो हर मनोकामना करता है पूरी

पूरी दुनिया लाखों करोड़ों रहस्य मौजूद है जिनके बारे में इंसान आजतक नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य से रूबरू कराने जा रहे हैं। जिसके बारे में आपने इससे पहले शायद ही कभी सुना हो। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ग्रेट ब्रिटेन में मौजूद एक पेड़ के बारे में जिसपर सिक्के लगते हैं। इस पेड़ में एक नहीं बल्कि जिसमें हजारों की संख्या में सिक्के निकले हुए हैं। ये पेड़ पीक डिस्ट्रिक्ट में मौजूद है। बताया जाता है कि ये पेड़ कोई 40-50 साल पुराना नहीं बल्कि 1700 साल से भी पुराना है।

इस पेड़ में लगे सिक्के हालांकि उगे नहीं हैं बल्कि लोगों ने ही इन्हें लगाया है। इस पेड़ में लगे सिक्के सिर्फ ग्रेट ब्रिटेन के नहीं हैं। दुनियाभर के देशों के सिक्के इस पेड़ पर लगे हुए है। दुनियाभर में मशहूर ये अनोखा पेड वेल्स के पोर्टमेरियन गांव में है। यह एक मशहूर टूरिस्ट स्टॉप है। सबसे ज्यादा आश्चर्य की बात है कि इस पेड़ पर लोग दूर-दूर से आकर सिक्के लगाकर जाते हैं। अबतक इस पेड़ में इतने सिक्के लग चुके हैं कि अब सिक्के लगाने की जगह ही नहीं बची है। इस पेड़ पर सिक्के लगाने की तमाम मान्यताएं हैं। मान्यताओं के चलते इस पेड़ पर लोग सिक्के लगाते हैं। लोग मानते हैं कि इस पेड़ पर सिक्के लगाने से मांगी हुई मुराद पल भर में पूरी हो जाती है। इससे लोगों के घर में सुख-समृद्धि आती है। कई अन्य लोगों का मानना है कि इस पेड़ में किसी दैवीय शक्ति का वास है। क्रिसमस के मौके पर इस पेड़ के पास मिठाइयां तथा गिफ्ट रखे जाते हैं। प्रेमी जोड़े अपने रिश्तों में ज्यादा मिठास के लिए भी इस पेड़ पर सिक्के लगाते हैं। इस पेड़ पर लगे ज्यादातर सिक्के ब्रिटेन के ही हैं। दुनियाभर के देशों के भी सिक्के इस पेड पर लगे हैं।

जनता राहुल के साथ, कोई नहीं दबा सकता आवाज : कमलनाथ

» बोले-कांग्रेस पार्टी को लोकतंत्र और कानून में भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि राहुल गांधी की वर्तमान सजा के मामले में भी पार्टी कानूनी प्रक्रिया का पालन करेगी और सत्य की जीत होगी। लेकिन राजनीतिक विरोधी यह ना समझें कि वे राहुल जी या कांग्रेस पार्टी की आवाज को दबा सकते है। पूरा देश राहुल जी के साथ है। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और कानून में भरोसा करने वाली पार्टी है। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी ने हमेशा हर वर्ग और व्यक्ति का सम्मान किया है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ और पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस मामले में पार्टी कानूनी प्रक्रिया का पालन करेगी और आखिरकार सत्य की जीत होगी।कमलनाथ ने ट्वीट किया, कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और कानून में भरोसा करने वाली पार्टी है। राहुल गांधी ने हमेशा हर वर्ग और व्यक्ति का सम्मान किया है।

उन्होंने आगे लिखा, ''वर्तमान सजा के मामले में भी पार्टी कानूनी प्रक्रिया का पालन करेगी और सत्य की जीत होगी, लेकिन राजनैतिक विरोधी यह ना समझें कि वे राहुल जी या कांग्रेस पार्टी की आवाज को दबा सकते हैं। पूरा देश राहुल जी के साथ है। वहीं, दिग्विजय ने ट्वीट किया, राहुल जी गरीब की लड़ाई लड़ते रहिए। सत्य की ही विजय होगी। हम सब आपके साथ हैं।'

अपनी कमियों को छिपाने के लिए राहुल गांधी की आवाज दबा रही भाजपा: नकुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार के संरक्षण में जनता के पैसे की लूट का भ्रष्टाचार और आर्थिक अपराध के खिलाफ आवाज उठाने पर राहुल गांधी को भाजपा की केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा षड्यंत्र के तहत फंसाने के विरोध में पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और विपक्ष के खिलाफ सरकार की तानाशाही के विरोध में आवाज और बुलंद रखे जाने की बात कही। प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कार्रवाई देश के पैसों के लुटेरों के खिलाफ करनी थी और कार्रवाई कर रहे हैं उस लूट के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेता राहुल गांधी पर, लोकतंत्र में सारी मर्यादा है आचरण ताक पर रखकर भाजपा इस कदर तानाशाही पर उतारू है जनता के पैसे को अपने मित्र मेहुल चौकसी ,

नीरव मोदी को लुटा कर विपक्ष की आवाज बंद कर रही है। पूरे प्रदेश में हुए प्रदर्शन में लखनऊ में प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दुबे, अमेठी में राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी, महासचिव विवेकानंद पाठक, झांसी में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, शाहजहांपुर में जिला अध्यक्ष रजनीश गुप्ता, के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ।

नशा मुक्ति केंद्र के सहारे अमृतपाल दिलवाता था हथियारों की ट्रेनिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अमृतपाल के इरादे बहुत ही खतरनाक थे। वह नशा करने वाले और पूर्व सैनिकों का ब्रेनवॉश कर उन्हें आतंकवादी गतिविधियों में शामिल कर रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुबई से लौटने के बाद अमृतपाल ने अपने पैतृक गांव जल्लूपुर में एक नशा मुक्ति केंद्र शुरू किया। इसके साथ ही उसने ऐसे पूर्व सैनिकों की तलाश शुरू कर दी, जो सेना से सेवानिवृत्त हो गए थे, ताकि उनका इस्तेमाल हथियारों के प्रशिक्षण देने में किया जा सके।

» पुलिस का खुलासा : पूर्व सैनिकों का किया ब्रेनवॉश

उसने दो पूर्व सैनिकों की पहचान की और उनका ब्रेनवॉश कर अपने साथ मिला लिया। इनकी पहचान वरिंदर सिंह और तलविंदर सिंह के तौर पर हुई है। दोनों ने अमृतपाल के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवाओं को हथियार चलाने की ट्रेनिंग देनी शुरू की। इसके लिए उसने मारे गए आतंकवादी दिलावर सिंह को युवाओं के सामने प्रेरणास्रोत के तौर पर रखा। मानव बम बनकर दिलावर सिंह ने खुद के साथ पूर्व सीएम बेअंत सिंह को उड़ा दिया था। पुलिस ने बताया कि जब अमृतपाल ने वारिस पंजाब दे की कमान संभाली तो उस समय उसके पास सिर्फ दो निजी गार्ड थे।

यूएपीए कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने बदला पुराना फैसला

» प्रतिबंधित संस्था का सदस्य होना भी कार्रवाई के दायरे में आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूएपीए कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला दिया। अब प्रतिबंधित संस्था का सदस्य होना भी कार्रवाई के दायरे में आएगा। शीर्ष अदालत ने अपने उस पुराने फैसले को बदल दिया है, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ सदस्य होना अपराध नहीं है। कोर्ट ने यूएपीए एक्ट की धारा 10(ए)(आई) को सही ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधित संगठनों की सदस्यता के मुद्दे पर 2011 में अपने दो-न्यायाधीशों के फैसले के अनुसार उच्च न्यायालयों द्वारा पारित बाद के फैसलों को कानून के रूप में गलत माना है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि प्रतिबंधित संगठन की मात्र सदस्यता ही व्यक्ति को अपराधी बना देगी और यूएपीए के प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाने के लिए उत्तरदायी होगी। द्वारा 2011 के अपने फैसले को कानून के रूप में बुरा माना है, जिसमें कहा गया था कि प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता मात्र होने से कोई व्यक्ति अपराधी नहीं बनेगा।

लघु फिल्म गूलर का फूल एआरएफएफ बार्सिलोना फिल्म फेस्टिवल के फाइनल में

» लखनऊ के पत्रकार सुधीर मिश्र ने लिखी कहानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवधी फिल्म गूलर का फूल एआरएफएफ बार्सिलोना फिल्म अवॉर्ड्स के फाइनल में पहुंच गयी है। बिन मां के छोटे बच्चे के मनोविज्ञान पर आधारित इस फिल्म को अंतर्राष्ट्रय स्तर पर खूब सराहना मिल रही है। फाइनल विजेताओं की घोषणा 26 मार्च को होगी।

गूलर का फूल लखनऊ और जयपुर के स्थानीय कलाकारों की फिल्म है और इसका निर्देशन जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार धीरज भटनागर ने किया है। फिल्म की कहानी पत्रकार सुधीर मिश्र ने लिखी है। फिल्म में मृदुला भारद्वाज,

संदीप यादव, सशक भटनागर, विनीता मिश्रा, रवि भट, करिश्मा सक्सेना, दिव्यवासिनी यादव, गोपाल जालान और सुधीर मिश्र ने अभिनय किया है। गायिका मोनिका साईं हैं और प्रोड्यूसर नेही व समीर अग्रवाल हैं। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी। अराउंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है जो हर साल दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों का चुनाव करता है।

निखत-नीतू लगाएंगी फाइनल पंच

वर्ल्ड महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप: सेमीफाइनल में स्वीटी और लवलीना भी जीतीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बॉक्सर निखत जरीन, स्वीटी बूरा, लवलीना बोरगोहेन और नीतू घंघास का वर्ल्ड महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। निखत ने चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में 50 किग्रा वर्ग में रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कोलंबिया की इंग्रिट वालेंसिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई। स्वीटी बूरा ने 81 किग्रा वेट कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया की सू एमा को 4-3 के अंतर से हराया। वहीं लवलीन बोरगोहेन ने 75 किग्रा वेट कैटेगरी में चीन की ली किआन को 4-1 के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय मुक्केबाज इसके साथ ही लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने के और करीब पहुंच गई जब उन्होंने 5-0 से एकतरफा जीत हासिल कर ली। निखत ने साल 2022 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। निखत अब रविवार को फाइनल में दो बार की एशियाई चैंपियन वियतनाम की गुयेन थी टैम से भिड़ेंगी।

नीतू ने बाल्किबेकोवा को 5-2 से दी शिकस्त

इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन नीतू घंघास (48 किलो) भी वर्ल्ड महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गईं। हरियाणा की 22 साल की नीतू ने सेमीफाइनल में मौजूदा एशियाई चैंपियन और पिछले साल की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा को 5-2 से हराया। इसी के साथ नीतू ने बाल्किबेकोवा से पिछले वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2022 में नीतू क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा से हारने के बाद पदक से चूक गईं थीं।

पीएम ने दी वाराणसी को करोड़ों की सौगात

» टीबी को देश से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री व वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी एक दिन की यात्रा पर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे। वहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया। इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वन वर्ल्ड टीबी समिट को संबोधित किया। इस अवसर मोदी ने बटन दबाकर राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और उच्च रोकथाम प्रयोगशाला, वाराणसी शाखा का शिलान्यास किया।

पीएम ने कहा कि एक देश के तौर पर भारत की विचारधारा का प्रतिबिंब वसुधैव कुटुंबकम् यानी पूरी दुनिया एक परिवार है की भावना में झलकता है। ये प्राचीन विचार आज आधुनिक विश्व को एकीकृत दृष्टि और एकीकृत समाधान दे रहा है। इसलिए भारत ने जी-20 की भी थीम रखी है एक दुनिया एक परिवार एक भविष्य। 2014 के बाद से भारत ने जिस नई सोच और अप्रोच के साथ टीबी के खिलाफ काम करना शुरू किया, वो वाकई अभूतपूर्व है। भारत के ये प्रयास पूरे विश्व को इसलिए भी जानने चाहिए क्योंकि ये टीबी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का एक नया मॉडल है। बीते 9 वर्षों में भारत ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में अनेक मोर्चों पर एक साथ काम किया है। पीएम मोदी वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर पहुंचे। पीएम के कार्यक्रम के लिए रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का सभागार सुबह से ही खचाखच भरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं।

यूपी में मृत्युदर में कमी आई : सीएम योगी

वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में सीएम योगी ने वन वर्ल्ड टीबी समिट में अपना संबोधन दिया। सीएम ने कहा- प्रदेश में सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम किया है। यूपी में मृत्युदर में कमी आई है। पीएम मोदी के नेतृत्व में 2025 तक टीबी हारेगा और भारत जीतेगा। सीएम योगी ने कहा, पीएम मोदी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं और काशी के कायाकल्प को लेकर निरंतर संकल्पबद्ध हैं। इस अवसर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा भारत में हर साल 24 लाख टीबी के केस पाए जाते हैं। पीएम मोदी ने देश और दुनिया के सामने 2025 के अंत तक भारत को टीबी मुक्त करने का संकल्प लिया है।

सीएम ने एयरपोर्ट पर किया पीएम का स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे। सीएम योगी के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। एयरपोर्ट पर आगवानी करने वालों में भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, सह संगठन मंत्री सुनील ओझा, सांसद मछलीशहर बीपी सरोज, ब्रिगेडियर राजीव नाग्याल, 39 जी टी सी एयर कोमोडोर अनुज गुप्ता सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

फोटो : 4पीएम

रैली महिला सशक्तिकरण को लेकर महिला पुलिसकर्मियों ने निकाली दोपहिया वाहन रैली। रैली का शुभारंभ लखनऊ सीपी एसबी शिरडकर ने किया।

गौतम गंभीर पार्षदों से वसूलते हैं एक एक लाख : आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। आज शुक्रवार को विधानसभा में आम आदमी पार्टी के विधायक प्रवीण कुमार ने पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर पर भाजपा पार्षदों से प्रति माह एक-एक लाख रुपये वसूलने का आरोप लगाया।

उन्होंने इस संबंध में सदन में ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सुनाने का प्रयास किया, जिसकी विधानसभा अध्यक्ष ने इजाजत नहीं दी। उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग की पेनड्राइव मांगी। वहीं, विधानसभा में केंद्र सरकार और भाजपा सांसद से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और घोर पूंजीवाद के संबंध में चर्चा के दौरान हंगामा हुआ भाजपा और आम आदमी पार्टी के विधायकों ने एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की।

यूपी निकाय चुनाव का करना होगा इंतजार

सुप्रीम कोर्ट में 27 मार्च को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में शहरी और स्थानीय निकाय चुनाव के मामले में सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार में सुनवाई हुई है। कोर्ट में सुनवाई के बाद अब निकाय चुनाव और टलने की संभावना है। अब यूपी निकाय चुनाव के मामले पर अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी। हालांकि ओबीसी आरक्षण के मुद्दे की जांच के लिए गठित आयोग ने अंतिम रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप चुका है।

सुप्रीम कोर्ट में यूपी के नगर निकाय चुनाव के मामले में शुक्रवार को सुनवाई टल गई। सुनवाई टलने के साथ ही ये तय हो गया है कि अब निकाय चुनाव में और देरी होगी। हालांकि अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी।

कोर्ट के आदेश के बाद होगा नोटिफिकेशन

अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ही यूपी मे स्थानीय निकाय चुनाव का नोटिफिकेशन जारी हो पाएगा। दूसरी ओर राज्य में निकाय चुनाव को लेकर वार्डों के वोटरों की लिस्ट तैयार कर निर्वाचन को भेज दी गई है। दूसरी ओर बीते दिनों आरक्षण को लेकर गठित पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी रिपोर्ट सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप दी थी। वहीं सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद कैबिनेट ने आ?ोग की सिफारिशों को मंजूरी दे दी थी।

दरअसल, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चार जनवरी, 2023 को ओबीसी आरक्षण दिए बिना शहरी स्थानीय निकाय चुनावों पर रोक लगा दिया था।

उमेश हत्याकांड: यूपी पुलिस पहुंची बिहार, आरोपी फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उत्तराखंड में दी गई दबिश

प्रयागराज। उमेशपाल हत्याकांड के मामले में जांच अब बिहार व उत्तराखंड भी पहुंच गई है। पुलिस ने दावा किया है कि पांच लाख के इनामी शूटर गुड्डू मुस्लिम और अरमान बिहार के एक बाहुबलि की शरण में है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दोनों के बिहार में होने की सूचना पर पुलिस टीम वहां पहुंची थी लेकिन दोनों पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गए थे। पुलिस की एक टीम उत्तराखंड भी गई है। वहां भी कई जगह दबिश दी गई।

उमेश पाल की हत्या के बाद असद और गुलाम के साथ भागने की सूचना थी। गुड्डू मुस्लिम और अरमान भी साथ में थे। साबिर अलग भागा था। अरमान मूल रूप से बिहार के आरा का रहने वाला है। हत्याकांड के बाद पुलिस को उसकी पहली लोकेशन बिहार में ही मिली थी। एक टीम तबसे बिहार में ही है।

बाहुबली की शरण में हैं अरमान और गुड्डू : पुलिस

पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक बार अरमान और गुड्डू की साथ में लोकेशन मिलने पर पुलिस ने छापा मारा था, लेकिन कार्रवाई से कुछ देर पहले ही दोनों भाग निकले थे। पता चला है कि दोनों बिहार के एक बाहुबली की शरण में हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है लेकिन बाहुबली की सरपरस्ती में दोनों लगातार ठिकाना बदल रहे हैं। पुलिस की एक टीम ने उत्तराखंड में भी दबिश दी है। साबिर की तलाश में टीमें उत्तराखंड के अलग अलग इलाकों में दबिश दे रही हैं। साबिर के बारे में भी पता चला है कि वह किसी माफिया की शरण में है।

कई पूर्व पार्षदों पर जमीन कब्जाने का आरोप, आए जांच के घेरे में

अतीक अहमद और गिरोह से संबंधों के आरोप में कुछ पार्षद भी जांच के घेरे में हैं। इनकी संख्या एक दर्जन के आस पास बताई जा रही है। पुलिस को पता चला है कि इनमें से कई लोग अतीक गिरोह के साथ मिलकर जमीन का धंधा करते हैं। कई पर जमीन कब्जे का भी आरोप है। पार्षदी के चुनाव में अतीक काफी दखलंदाजी रहती थी। उसके कई करीबी कई बार पार्षद रह चुके हैं। अपने करीबियों को जिताने के लिए अतीक पैसे की थैली खोल देता था। ऐसे 10-12 पूर्व पार्षदों की जांच की जा रही है। कुछ पार्षदों ने तो अतीक से संबंधों के कारण अकूत संपत्ति इकट्ठा कर ली। अधिकांश अतीक गिरोह के साथ जमीन के धंधे में लिप्त हैं। विवादित जमीन पर काबिज लोगों को अतीक का खौफ दिखाकर जमीन को खाली कराने के धंधे में कई पूर्व पार्षदों का नाम आया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।